आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
गुरुवार 24.09.2026
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- फिल्म शूटिंग के प्रमुख केंद्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा उत्तराखंड। पिछले पांच साल से कम समय में प्रदेश में फिल्म शूटिंग के जरिए एक हजार 759 करोड़ रुपये का हुआ कारोबार।
- देहरादून के सुनियोजित विकास के लिए लैंड बैंक तैयार कर रहा मसूरी–देहरादून विकास प्राधिकरण।
- हरिद्वार में विकसित हो रहे सजावटी मत्स्य पालन के कलस्टर। किसानों को कम संसाधनों में बेहतर कमाई के मिल रहे अवसर।
- रुद्रपुर में हथकरघा कौशल प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को हथकरघा बुनाई का प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता से जोड़ना है उद्देश्य।

फिल्म नीति

उत्तराखंड अब फिल्म शूटिंग के प्रमुख केंद्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। प्रदेश में नई फिल्म नीति के बाद फिल्म शूटिंग को बढ़ावा मिला है। पिछले पांच साल से कम अवधि में राज्य में फिल्म शूटिंग से एक हजार 759 करोड़ रुपये का कारोबार दर्ज किया गया है। वर्ष 2019–20 से 2025–26 तक प्रदेश में एक हजार 440 से अधिक फिल्मों की शूटिंग और एनओसी संबंधी गतिविधियां दर्ज हुई हैं। वहीं, 2021–22 से 2025–26 तक 52 फिल्मों को अनुदान दिया गया। इनमें हिंदी के साथ ही गढ़वाली, कुमाऊंनी, जौनसारी और अन्य उत्तराखंड की भाषाओं में बनी फिल्में शामिल हैं। फिल्म नीति–2024 में एकल खिड़की व्यवस्था, प्रोत्साहन और अनुदान, प्रशिक्षण, छात्रवृत्ति तथा पोस्ट–प्रोडक्शन सुविधाओं का प्रावधान किया गया है। सरकार के अनुसार इससे स्थानीय कलाकारों और तकनीशियनों को अवसर मिलने के साथ ही रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि सरकार उत्तराखंड को फिल्म निर्माण के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

लैंड बैंक

देहरादून के सुनियोजित और व्यवस्थित विकास के लिए मसूरी–देहरादून विकास प्राधिकरण नई योजनाओं पर काम कर रहा है। बढ़ती आबादी और आवासीय जरूरतों को देखते हुए प्राधिकरण लैंड बैंक तैयार करने और नई आवासीय परियोजनाओं विकसित करने पर विशेष ध्यान दे रहा है। प्राधिकरण के सचिव मोहन सिंह बर्निया ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध भूमि की संभावनाओं का आकलन कर भविष्य की विकास परियोजनाओं के लिए जमीन चिन्हित की जा रही है। इसका उद्देश्य शहर के बढ़ते विस्तार के साथ ही आवास और बुनियादी सुविधाओं की जरूरतों को योजनाबद्ध तरीके से पूरा करना है।

सड़क मरम्मत

प्रदेश में मानसून से क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत का काम युद्धस्तर पर किया जा रहा है। इसी क्रम में पौड़ी गढ़वाल में भी लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और अन्य संबंधित विभागों की टीमें क्षतिग्रस्त सड़कों और गड्ढों को चिह्नित कर प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत काम कर रही हैं। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने अधिकारियों को सड़क मरम्मत कार्य समयबद्ध और निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूरा करने के निर्देश दिए हैं। जहां पैचवर्क की आवश्यकता है, वहां तत्काल कार्य कराया जा रहा है, जबकि अधिक क्षतिग्रस्त हिस्सों की आवश्यकता अनुसार मरम्मत की जा रही है। प्रशासन का कहना है कि अभियान का उद्देश्य लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराना है।

नंदा देवी मेला समापन

अल्मोड़ा और रानीखेत में प्रसिद्ध नंदा देवी मेले का धार्मिक उल्लास और पारंपरिक रीति–रिवाजों के साथ कल समापन हुआ। रानीखेत में मां नंदा–सुनंदा की भव्य डोली शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर मां का स्वागत किया और जयकारों से पूरा नगर भक्तिमय हो उठा। वहीं, अल्मोड़ा में भी मां नंदा–सुनंदा की डोला शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा नंदा देवी मंदिर से शुरू होकर मुख्य बाजार से होते हुए दुगालखोला नौले पहुंची, जहां धार्मिक विधि–विधान के साथ मां की मूर्तियों का विसर्जन किया गया।

सजावटी मछली पालन

हरिद्वार जिले में पारंपरिक मछली पालन के साथ ही अब सजावटी मछली उत्पादन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। मत्स्य विभाग ने इसके लिए जिले में चार कलस्टर विकसित किए हैं। इनमें दो कलस्टर में फिलहाल मछली उत्पादन शुरू हो चुका है, जबकि अन्य दो कलस्टर जल्द शुरू किए जाएंगे। अभी तक उत्तराखंड में सजावटी मछलियों की आपूर्ति मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल से होती थी। अब हरिद्वार में ही इसके उत्पादन से स्थानीय किसानों को नई आय का अवसर मिल रहा है। विभाग किसानों को प्रशिक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन भी दे रहा है। मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्र ने बताया कि सजावटी मछलियों की बढ़ती मांग को देखते हुए जिले में इसके उत्पादन को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

हथकरघा प्रशिक्षण

ऊधमसिंह नगर जिले के मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शासनी ने रुद्रपुर ब्लॉक में 'परिश्रम कौशल' हथकरघा प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को हथकरघा बुनाई का प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता से जोड़ना है। खंड विकास अधिकारी असित आनंद ने बताया कि स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को छह महीने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें दरी, शॉल और कपड़ा बुनने का प्रशिक्षण शामिल है। महिलाओं को तैयार उत्पादों की बिक्री के लिए बाजार से जोड़ने का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना के एफपीओ प्रबंधक अक्षय कुमार ने कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को हथकरघा बुनाई में दक्ष बनाकर स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य है।

जिलाधिकारी समीक्षा

देहरादून के जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों और न्यायालयों से संबंधित मामलों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को पुराने वादों को प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध और नियमानुसार निस्तारण के निर्देश दिए। साथ ही नियमित समीक्षा करने पर जोर दिया। समीक्षा में जिले में 15 हजार 540 राजस्व वाद लंबित पाए गए। जिलाधिकारी ने निर्विवाद विरासत के मामलों का भी त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने लंबित वादों और न्यायालयों के आदेशों के अनुपालन की निगरानी के लिए सॉफ्टवेयर आधारित स्मार्ट निगरानी प्रणाली विकसित करने के भी निर्देश दिए।